अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) दिनांक 21.12.2013

तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

प्र.1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य संघदासगणी ने किस संघ को छोड़ने का निर्देश दिया है?

(ख) ''कुसले पुण णो बद्धे णो मुक्के'' इस सूत्र का क्या अर्थ है?

(ग) तेरापंथ का अनुशासन क्या है? (घ) तेरापंथ की एकसूत्रता की त्रिपदी क्या है?

(ङ) व्यवहार को समझने के लिए कितने व कौन–कौन से बिन्दु हैं?

(च) जैन परम्परा में साधना की कितनी व कौन सी शैलियाँ प्रचलित हैं?

(छ) आचार्य भिक्षु ने साधु व गृहस्थ की सीमा रेखा का बोध किसे व कहाँ करवाया?

(ज) भगवान महावीर के शासन में कितने साधु–साध्वियाँ थे?

(झ) साधना के क्षेत्र में दो बड़ी बाधाएँ कौन सी हैं?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (कोई सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(ञ) श्रुतधर्म का अर्थ क्या है? (ट) अनेकान्त के पर्यायवाची शब्द क्या है?

(ठ) भगवान महावीर ने आत्मोन्नति के कितने व कौन–कौन से मार्ग बताए हैं?

(ड) साम्यवादी समाज व्यवस्था दान को किस युग की देन मानती है?

(ढ) विचारों की चिरजीविता का आधार क्या है?

(ण) आचार्य भिक्षु ने धर्म को कितनी व कौन–कौन सी दृष्टियों से देखा? नाम लिखें।

(त) एक्विनास के अनुसार मनुष्य का अंतिम लक्ष्य क्या है?

(थ) गौतम स्वामी ने असत्य संभाषण कहाँ किया? तथा वे शुद्ध किसके पास हुए?

(द) तेरापंथ की शासन प्रणाली के उपयुक्त शब्द क्या है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासनशैली – 23

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) लेखक के अनुसार आचरण में परिवर्तन कब होता है?

(ख) उत्तराध्यन सूत्र के अनुसार आचरण में परिवर्तन कब होता है?

(ग) बादशाह व पिंजारे की घटना से कौन से तथ्य उद्घाटित होते हैं?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) तेरापंथ धर्मसंघ में एक आचार्य का नेतृत्व है, फिर भी यहाँ एकतन्त्र शासन प्रणाली नहीं है स्पष्ट करें।

(ख) सफल न्याय के लिए किन–किन बातों का होना आवश्यक है?

प्र.4 ''आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली विलक्षण थी।'' स्पष्ट करें। 12

'अथवा'

ठाणं सूत्र में वर्णित संघमुक्त साधना की अर्हताओं का वर्णन करें।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता – 23

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) संघ में दोष निराकरण के कितने प्रकार हैं लिखें।

(ख) आचार्य भिक्षु ने आंशिक संयमी और असंयमी का पोषण सावद्य क्यों माना?

(ग) साध्य साधन के कितने विकल्प हैं? आचार्य भिक्षु ने आध्यात्मिक धर्म हेतु किस विकल्प को उपयुक्त माना?

प्र.6 100 से 150 शब्दों में एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 6

(क) आचार्य भिक्षु के शब्दों में कोई कार्य एक साथ धर्म और अधर्म नहीं हो सकता।'' स्पष्ट करें।

(ख) ठाणं सूत्र के आधार पर धर्म के दस प्रकार वर्णित करें।

प्र.7 लोकतंत्र की अवधारणा में दोष परिमार्जन की नीति को जोड़ना प्रासंगिक है। आचार्य भिक्षु व गांधीजी के विचारों द्वारा स्पष्ट करें। 12

'अथवा'

हिंसा पर आचार्य भिक्षु के विचारों को समझाते हुए अन्य विचारकों के विचार प्रस्तुत करें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.8 किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 5

(क) धारिणी रानी का दोहद किसने व कैसे पूरा किया?

(ख) जीवों को उठाकर छाया में रखने से कौन–सा सा दोष लगता हे?

(ग) ''परित्त संसार'' का क्या आशय है? (घ) मिथ्यादृष्टि होने का क्या लक्षण है?

(ड.) कड़वे तुम्बे का आहार किसने किया?

(च) जिनेश्वर देव के अनुसार चार उपकार कौन–कौन से हैं?

(छ) पाप के तीन करण कौन–कौन से हैं?

प्र.9 अनुकंपा की चौपाई के आधार पर सावद्य अनुकंपा व निरवद्य अनुकंपा की सउदाहरण व्याख्या करते हुए अन्तर स्पष्ट करें। 10

'अथवा'

ढ़ाल 6 का सारांश करते हुए मिश्र धर्म की व्याख्या करें।

प्र.10किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) जीवीयां जीवायां भलो जांणियां, ए तीनोई हो करण सरीखा जांण।
कोई चतुर होसी ते परखसी, अणसझयां हो करसी तांणा तांण।।

(ख) ग्यांन दर्शन चारित्र मांहिलो, वघतो जांणे किणरो उपाय रे।
तो करे अनुकंपा भव जीवरी, वीर बिनां बुलायां जाय रे।

(ग) जन्म मरण री लाय थी काढ़े, उणरो काम सिराडे चाढ़े।
पकड़ावे ग्यांनादिक डोरी, तिवाथी आठूंई कर्म ते तोड़ी।।

(घ) ग्यांन दर्शन चारित्र ने तम, यांरो करे कोई उपगार हो।
आप तिरे पेली उघरे, दीयां रो खेवो पार हो।।

भिक्षुवाणी – 10

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 10

(क) असाधु (ख) बुद्धिमान (ग) वीतराग धर्म (घ) साध्वाभास

(ङ) क्षणभंगुरता